मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 69, मुंबई, मंगलवार, 1 जुलाई, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

मौत का सामान!

मुंबई एयरपोर्ट पर विदेशी यात्री के बैग से निकले 16 जिंदा सांप

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सांपों की तस्करी की बड़ी घटना सामने आई। कस्टम अधिकारियों ने एक विदेशी यात्री को गिरफ्तार किया जो चॉकलेट के डिब्बों में 16 जीवित सांप छिपाकर भारत लाने की कोशिश कर रहा था। आरोपी यात्री का नाम गुडमैन लिनफोर्ड लियो बताया गया है। लियो ने फिल्मी अंदाज में तस्करी का पूरा प्लान बनाया था। उसने अपने बैग में चॉकलेट के डिब्बे और पुराने कपड़े भरे थे जिनके अंदर बेहद सावधानी से 16 जीवित सांपों को छोटे-छोटे पाउच में बांधकर छुपा रखा था। लियो की चालाकी इतनी थी कि उसने यह पूरा जुगाड़ ग्रीन चैनल से बेखौफ निकलने के लिए किया, ताकि कोई उसकी तलाशी न ले। मगर उसकी हरकतें कस्टम अधिकारियों की नजर में आ गईं। जैसे ही उसे रोका गया और बैग खोला गया अंदर का नजारा देख अधिकारी भी सुन्न रह गए। लियो के बैग से जो सांप निकले, वो कोई मामूली सांप नहीं थे बल्कि बेहद दुर्लभ विदेशी प्रजातियां थीं। इनमें शामिल 5 होंडुरन मिल्क स्नेक, 2 गार्टर स्नेक, 2 केनियन सैंड बोआ, 1 बैंडेड कैलिफोर्निया किंग स्नेक, 5 राइनोसिरस रैट स्नेक और 1 अल्बिनो रैट स्नेक ये सांप बेहद महंगे और विदेशी बाजारों में लाखों में बिकने वाले माने जाते हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

विजय रैली में झंडा नहीं...

गठबंधन और चुनाव आते-जाते रहेंगे, राज का बड़ा ऐलान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति सरकार ने रविवार को मनसे और यूबीटी के आक्रामक विरोध के बाद त्रि-भाषा सूत्र को लागू करने का फैसला रद्द कर दिया। इस फैसले के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिवसेना यूबीटी ने 5 जुलाई के आंदोलन को स्थगित कर दिया। लेकिन पार्टी ने कहा कि अब वे विजय मोर्चा निकालेंगे। इस मुद्दे पर राज ठाकरे ने संवाददाताओं से बातचीत भी की। राज ठाकरे ने सरकार द्वारा रद्द किए गए फैसले के बाद कहा, कक्षा 1 से तीन भाषाएं सिखाने के नाम पर छोटे बच्चों पर हिंदी थोपने की सरकार की कोशिश को मराठी लोगों की एकता ने विफल कर दिया। कल 29 जून 2025 को सरकार ने इस फैसले को वापस लेने की घोषणा की। यह मराठी लोगों की एकता की जीत है और मैं इसके लिए सभी मराठी लोगों को तहे दिल से बधाई देता हूं। 5 जुलाई को विजय रैली की घोषणा करते हुए राज ने कहा, 5 तारीख को विजय रैली होगी। इस रैली में कोई झंडा नहीं होगा, यह मराठी लोगों की रैली होगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

2 जुलाई से स्कूल बसें बंद

ट्रांसपोर्टर भी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य ट्रक टेम्पो टैंकर बस परिवहन संघ के नेतृत्व में सभी ट्रांसपोर्टरों ने मंगलवार मध्य रात्रि से पूर्ण हड़ताल शुरू कर दी है, वहीं राज्य भर के स्कूल बस मालिकों ने बुधवार, 2 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। स्कूल बस हड़ताल का असर स्कूल जाने वाले बच्चों पर पड़ने की संभावना है। स्कूल बस मालिक संघ ने बस चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस द्वारा की जाने वाली अनुचित कार्रवाई, सीसीटीवी, वेबरीडर और जीपीएस जैसी सुविधाओं के लिए ई-चालान के माध्यम से दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ परमिट में बाधा डालने के खिलाफ हड़ताल का आह्वान किया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विपक्ष के आगे झुकी सरकार

आदित्य ठाकरे बोले- नहीं रहा भरोसा, अब दिल्ली के...

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के विधायक आदित्य ठाकरे ने सोमवार को दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार ने प्राथमिक कक्षाओं में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाने पर अपना फैसला विपक्ष और जनता के दबाव के कारण वापस ले लिया। आदित्य ठाकरे ने विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, भास्कर जाधव और विपक्षी विधायकों के साथ विधान भवन की सीढ़ियों पर मी मराठी (मैं मराठी हूं) लिखी स्लेट लेकर विरोध प्रदर्शन किया। विधान भवन परिसर में आदित्य ने कहा कि दबाव ने सत्ता पर विजय पा ली है। राज्य विधानसभा का मानसून सत्र सुबह शुरू हुआ और यह 18 जुलाई तक जारी रहेगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

जनभावना से बेखबर सरकार

सरकार के इस फैसले की मंशा के बारे में पूछे जाने पर आदित्य ने आरोप लगाया कि भाजपा और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना, उद्धव और राज ठाकरे के बीच किसी भी तरह के मेल-मिलाप को रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है लेकिन अगर वे सोचते हैं कि वे मराठी गौरव को विभाजित कर सकते हैं तो वे गलत हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सियासत के चक्रव्यूह में

महाराष्ट्र का घटनाक्रम मिसाल है कि पहचान की सियासत कैसे वहां भी विवाद खड़े कर देती है, जहां इसकी जड़ें मौजूद नहीं होतीं। ऐसे विवाद आज भारत में आम जन को आपस में जोड़ने वाले हर पहलू की बलि ले रहे हैं।

महाराष्ट्र में हिंदी सियासत के चक्रव्यूह में फंस गई है। जोड़ने वाली ये भाषा वहां एक विभाजन रेखा बन गई है। वहां के सियासी समूहों में सबकी रुचि माहौल को अधिक से अधिक गरमाए रखने में है, वरना मेल-मिलाप से मसले को हल कर लेना कठिन नहीं होता। महाराष्ट्र में कभी हिंदी विरोध मजबूत मुद्दा नहीं रहा। विडंबना तो यह है कि मुंबई हिंदी फिल्म उद्योग का केंद्र है, जिसने आम जन के स्तर पर हिंदी को फैलाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। मगर ताजा हालत यह है कि राज्य की भाजपा सरकार ने त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत दो बार स्कूलों में हिंदी पढ़ाने का निर्णय लिया और दोनों बार उसे कदम वापस खींचने पड़े। अप्रैल में उसने मराठी और अग्रेंजी के अलावा हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य करने की कोशिश की थी। मगर भारी विरोध के कारण ये आदेश उसे वापस लेना पड़ा। तो ताजा मामले में उसने बैक डोर का सहारा लिया। 17 जून को जारी सरकारी आदेश में उसने कहा कि जिन स्कूलों में कम-से-कम 20 छात्र किसी अन्य भाषा की पढ़ाई की मांग नहीं करेंगे, वहां तीसरी भाषा के बतौर हिंदी पढ़ाई जाएगी। इस पर फिर विरोध भड़का। इस मुद्दे से खफा ठाकरे बंधु- उद्धव और राज- आपसी मतभेद भुलाने को तैयार हो गए। पांच जुलाई को दोनों ने साझा रैली करने का एलान किया। सिविल सोसायटी संगठनों का उन्हें काफी समर्थन मिलता दिखा। यहां तक कि राज्य सरकार की तरफ से नियुक्त भाषा समिति ने भी फड़णवीस सरकार की भाषा नीति की सार्वजनिक आलोचना कर दी। अंततः देवेंद्र फड़णवीस सरकार को फिर कदम वापस खींचने पड़े हैं। अब उन्होंने त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करने पर सुझाव देने के लिए एक नई समिति के गठन का एलान किया है। ये घटनाक्रम मिसाल है कि पहचान की जज्बाती सियासत कैसे वहां भी विवाद खड़े कर देती है, जहां इसकी जड़ें मौजूद नहीं होतीं। साढ़े तीन दशकों से चली ऐसी सिसायत ने आज भारत में हर कदम पर ऐसे विवाद खड़े कर दिए हैं। ये विवाद आम जन को आपस में जोड़ने वाले हर पहलू की बलि ले रहे हैं।

मिट्ट में हाथ, दिल वतन के साथ" CIO ने दस लाख वृक्षारोपण अभियान शुरू किया 29 जून से

जबलपुर। हमारा लक्ष्य है 29 जून से 25 जुलाई, 2025 के बीच देश भर के बच्चों को दस लाख पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित करना है। छात्र अब्दुल मुसव्विर ने विस्तार से बतायाः इस अभियान की पृष्ठभूमि बहुत स्पष्ट हैः पृथ्वी गर्म हो रही है, जंगल खत्म हो रहे हैं, हवा की गुणवत्ता खराब हो रही है। पेड़ों के गायब होने के साथ, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ हमारी सुरक्षा भी खत्म हो रही है।

CIO का मानना है कि बच्चे इस प्रवृत्ति को उलटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अभियान कैसे आगे बढ़ेगा, इस बारे में बात करते हुए, अस्मा अंजुम ने कहाः इस पहल के हिस्से के रूप में, बच्चे स्कूलों, मदरसों, मस्जिदों, पड़ोस के पार्कों और यहाँ तक कि अपने घरों के सामने भी पेड़ लगाएँगे। प्रत्येक बच्चे को अपने पेड़ का नाम रखने, एक दोस्त की तरह उसकी देखभाल करने और चित्रों, शिल्प, कविताओं और अन्य माध्यमों से अपने अनुभव को दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। छात्रा समीरा ने पेड़ों के महत्व पर जोर दियाः बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के कारण, हमारे पर्यावरण में भारी बदलाव आ रहे हैं और हम ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से पीड़ित हैं। इस संकट को देखते हुए, हम बच्चों ने जिम्मेदारी ली है-न केवल अन्य बच्चों को जागरूक करने की, बल्कि वयस्कों को भी भविष्य की पीढ़ियों के लिए पेड़ लगाने और हमारे सामूहिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शिक्षित करने की। हर कोई अपने भविष्य के बारे में चिंता करता है-हम भी करते हैं, और इसलिए हम दस लाख पेड़ लगाने के इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। सरकारी एजेंसियों और अभियान के नारों के साथ सहयोग पर चर्चा करते हुए, इंजमाम ने कहाः इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए, CIO स्वस्थ पौधे उपलब्ध कराने, उपयुक्त रोपण क्षेत्रों की पहचान करने, पौधों और जानवरों के बारे में शैक्षिक सामग्री वितरित करने और हरे भरे स्थानों की रक्षा करने के लिए सरकारी विभागों के साथ सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है। ये भागीदारी सुनिश्चित करेगी कि बच्चों को उचित सहायता मिले और लगाए गए पेड़ जीवित रहें और पनपें। प्रतिभागियों को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए, CIO नारों की एक श्रृंखला भी शुरू कर रहा है जो कक्षाओं, घरों और सार्वजनिक स्थानों पर गूंजेंगे। नारेः जब हर बच्चा एक पेड़ लगाएगा, तो एक हरी दुनिया खिल उठेगी! जब एक पत्ता मुस्कुराएगा - हर दिन हरियाली लायेगा! पेड़ लगाओ। पृथ्वी की रक्षा करो। गर्व करो। आज के इस कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने में सी आई ओ के सदस्यो को विशेष योगदान रहा जिसमें सी आई ओ इंचार्ज सुल्ताना बानो, आमरा बेगम, हुज़्मा फरत, सकीला बानो, नाजिया बानो, आयशा बानो, महमूदा बानो एवं अन्य महिलाओं का विशेष सहयोग रहा चिल्ड्रन इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (CIO), (साजिद खान की रिपोर्ट)

मेआर ए शाइरी ने निशस्त को उरुज तक पहुँचाया

इंदौर। जून माह के अंतिम रविवार को संस्था परवाज़ ए ग़ज़ल की जानिब से इंडियन कॉफ़ी हॉउस के सभागार में माहनामा निशस्त (मासिक गोष्ठी) मुनक्क़ीद की गई, जिसकी सदारत जनाब ओमप्रकाश जोशी बब्बू और बेहतरीन निज़ामत जनाब दिनेश वर्मा दानिश ने की। निशस्त के मेहमान ए ख़ुसुसी जनाब विनय कुमार मौर्या थे। शाइरी से उन्सियत रखने वाले सामईन के लिए यह बहुत उम्दा निशस्त रही जिसमें सभी शोअरा इकराम ने आलादर्जे के क़लाम पढ़े। नाज़िम ए निशस्त दिनेश दानिश ने क्या ख़ूब पढ़ा- बड़े चुपके से ऊँगली थाम लेगी,कज़ा सर पर कहाँ इल्ज़ाम लेगी, वही डाली बचेगी आँधियों से, लचक से जो ज़रा सा काम लेगी। शाइर विमल कुमार ने कहा कि- किसी के क़द को अपने क़द से हम छोटा नहीं करते,सरे महफ़िल किसी को यार हम रुसवा नहीं करते पढ़कर दाद हासिल की। शाइर हिमांशु व्यास ने पढ़ा-मुस्कुराने के बहाने ढूंढ़ते हैं, मेज़ में हम ख़त पुराने ढूंढ़ते हैं। हिमांशु व्यास मुसलसल अच्छी शायरी कर रहे हैं। निशस्त में पहली दफ़ा शिरकत कर रहे नीलेश नूर ने पढ़ा- ज़िन्दगी की रहगुज़र दुश्वार भी करते रहे,दुश्मनी हम से हमारे यार भी करते रहे पढ़कर वाहवाही लूटी। निशस्त में मौजूद एकमात्र कवयित्री वंदना मौर्या ने पढ़ा रेत में घर बनाने से घर नहीं बनता,दर्द दिल में छिपाने से ज़ख्म नहीं भरता,पानी में चलने से निशां नहीं बनता। शाइर हरजीत सिंह ने पढ़ा-ये करम तेरा ही मिरे यार है,आयी लफ़्ज़ों में जो मिरे धार है। हरजीत सिंह ने तरन्नुम में भी उम्दा ग़ज़ल पढ़ी। उस्ताद शाइर बालकराम शाद ने पढ़ा- चल रही हैं हवाएं कैसी कैसी,कर रही हैं ख़ताएं कैसी कैसी,अभी तो कश्ती ने छोड़ा है किनारे को,के हो रही हैं दुआएं कैसी कैसी। परवाज़ ए ग़ज़ल इंदौर के सदर (अध्यक्ष) जनाब विकास जोशी वाहिद ने पढ़ा दीवाने ख़ास से कोई ऐलान हो तो हो,मेरी बला से वो कोई सुल्तान हो तो हो, अपना न कोई काम हुआ घूस के बग़ैर अब आपकी पहुँच कोई पहचान हो तो हो । विकास भाई की शायरी में इक नयापन नज़र आता है। मारूफ़ शाइर डॉ. अजय ढींगरा ने पढ़ा- उसकी दिलकश हसीं अदाओं ने, मुझको पागल बना के छोड़ दिया। निशस्त में हर दफ़ा अपनी उम्दा मेआर की शाइरी से सबको चौकाने वाले शाइर डॉ. वासिफ़ काज़ी ने पढ़ा- रोशन सैय्यारा मिरा भाई है, जान से प्यारा मिरा भाई है,है चाहत का दरिया बहता हुआ,वो ठहरा किनारा मिरा भाई है। डॉ. काज़ी की शायरी आसान लफ़्ज़ों में कही गहरे मफ़हूम की शाइरी होती है, उन्हें दाद ओ तहसीन से नवाज़ा गया। सभी शोअरा को भरपूर दाद हासिल हुई निशस्त के सद्र ए मोहतरम ओम प्रकाश बब्बू ने पढ़ा-अपनी अपनी सीमाओं का बंदी है हर पैमाना, मैं तो हवा का झोंका हूँ, मुझको तो उड़ जाना है। निशस्त के अंत में मुख्य अतिथि विनय कुमार मौर्य ने कविता पर अपनी बात रखी। आभार विमल कुमार विमल ने व्यक्त किया। परवाज़ ए ग़ज़ल की आगामी रुपरेखा से संस्था अध्यक्ष श्री विकास जोशी ने सभी को अवगत कराया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'बाबा मुझे चॉकलेट चाहिए', और बाप ने की मासूम की हत्या

रूह कंपा देने वाली वारदात

लातूर। यह खबर किसी का भी दिल दहला देगी। एक पिता अपनी 4 साल की बेटी का हत्यारा बन बैठा। वजह पढ़ कर किसी की भी रुह कांप जाएगी और खुन खौल उठेगा। मासूम बच्ची ने उससे चॉकलेट के लिए पैसे मांगे। जिस बच्ची ने प्यार से 'बाबा' कहकर उसके कंधे पर सिर रखा होगा, उसी का गला उसने साड़ी से कसकर उसकी नन्ही सी जिंदगी छीन ली। यह अमानवीय वारदात लातूर जिले के उदगीर तहसील के भीमा तांडा गांव में रविवार दोपहर हुई। 4 साल की आरुषी को चॉकलेट बेहद पसंद थी। वह अपनी छोटी-सी जुबान से बार-बार बाबा मुझे चॉकलेट चाहिए कहती रही। लेकिन उसके पिता बालाजी बाबू राठोड़ के दिल में प्यार की जगह शराब और नफरत भरी थी। पुलिस के मुताबिक, बेटी के बार-बार पैसे मांगने पर उसने अपनी साड़ी ली और उसी से मासूम का गला कस दिया। कुछ ही मिनटों में बच्ची का दम घुट गया। उसकी किलकारियां, उसकी मुस्कान सब हमेशा के लिए खत्म हो गई।

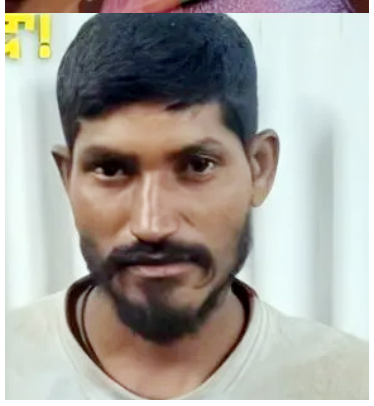

घरेलू कलह और शराब ने ली मासूम की बलि : जांच में सामने आया है कि आरोपी को शराब की लत थी। अक्सर वह नशे में पत्नी को मारता-पीटता और बच्चों को जान से मारने की धमकी देता था। इस हिंसा से तंग आकर पत्नी वर्षा तीन महीने पहले अपने मायके चली गई थी। लेकिन 9 जून को आरोपी पति जबरन उसके मायके पहुंचा और चार साल की आरुषी को अपने साथ भीमा तांडा गांव ले आया। रविवार को उसी घर में, जहां उसे सबसे ज्यादा प्यार और सुरक्षा मिलनी चाहिए थी, उसी घर में उसकी सांसें छीन ली गईं।

मां तक कैसे पहुंची यह खबर

रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे वर्षा के मामा के फोन पर एक दिल दहला देने वाला कॉल आया। दूसरी तरफ उसकी सास मंगलबाई थी। आवाज कांप रही थी, तुम्हारे पति बालाजी ने आरुषी को मार डाला है। उसने उसे साड़ी से फांसी दे दी है। यह सुनते ही मां वर्षा का कलेजा फट गया। वह चीखती-चिल्लाती हुई सरकारी अस्पताल भागी। लेकिन डॉक्टरों ने साफ कह दिया। आपकी बच्ची अब इस दुनिया में नहीं रही। वर्षा की चीखें अस्पताल की दीवारों में गूंजती रहीं। हर कोई पत्थर की तरह खामोश था। कोई उसे कैसे दिलासा देता?

श्री सिद्धी विनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी से मिलकर आशीर्वाद लेते हुए भारतीय जनता पार्टी वरली कोलीवाड़ा मंडल के वार्ड १९६ के नव नियुक्त अध्यक्ष अर्जुन महाराज यादव

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मौत का सामान!

कस्टम अधिकारियों के मुताबिक लियो के बैग में 15 पाउच मिले थे जिनमें इन सांपों को जीवित अवस्था में रखा गया था। पाउचों को चॉकलेट के डिब्बों और पुराने कपड़ों में छिपाया गया था। यह सब इतनी सफाई से किया गया था कि पहली नजर में किसी को शक न हो। हालांकि लियो की यह चालाकी मुंबई कस्टम विभाग के अधिकारियों के सामने टिक नहीं सकी। ग्रीन चैनल से बाहर निकलने के दौरान उसकी हरकतें संदिग्ध लगीं और तुरंत उसकी तलाशी ली गई। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह इन सांपों की तस्करी के लिए मोटी रकम पाने वाला था। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने भी इस बरामदगी की पुष्टि की है। भले ही ये सांप अंतरराष्ट्रीय संधि की सबसे सख्त सूची में न हों, लेकिन बिना किसी वैध कागजात के इस तरह जीवित जानवरों को सीमा पार ले जाना पूरी तरह से अवैध है। कस्टम विभाग ने लियो को हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया है। अधिकारियों को शक है कि इसके पीछे बड़ा अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क हो सकता है। पुलिस यह पता लगा रही है कि भारत में इन सांपों की डिलीवरी किसे करनी थी और कौन लोग इसके पीछे हैं। इस सनसनीखेज मामले के सामने आने के बाद एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी और कड़ी कर दी है। कस्टम विभाग ने कहा है कि किसी भी यात्री को यह समझ लेना चाहिए कि ऐसे अपराधों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

2 जुलाई से स्कूल बसें बंद

स्कूली बसों की तरह ही माल ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल भी मंगलवार आधी रात से शुरू होगी। यह हड़ताल खास तौर पर परिवहन विभाग और पुलिस द्वारा किए जा रहे शोषण और अवरोध के खिलाफ है। ट्रांसपोर्टरों से ऑनलाइन जुर्माना वसूलने, जुर्माना राशि में कमी करने, बकाया जुर्माना माफ करने, क्लीनर की बाध्यता खत्म करने, व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश समय पर पुनर्विचार करने और पार्किंग स्थल की व्यवस्था करने समेत छह प्रमुख मांगों को लेकर महाराष्ट्र राज्य ट्रक टेंपो टैंकर बस परिवहन संघ ने एक जुलाई की आधी रात से चक्का जाम आंदोलन का आह्वान किया है।

विपक्ष के आगे झुकी सरकार

महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी भाषा को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच राज्य मंत्रिमंडल ने त्रि-भाषा नीति पर सरकारी आदेश को रद्द कर दिया। ठाकरे ने दावा किया कि सत्ता में होने के बावजूद सरकार को जनता, विपक्ष और हिंदी थोपे जाने का विरोध करने वाले अन्य लोगों के दबाव के कारण अपने ही दोनों जीआर को वापस लेना पड़ा। आदित्य ने कहा कि हम सरकार पर यह दबाव तब तक बनाकर रखेंगे जब तक वह लिखित में कोई आधिकारिक और औपचारिक निर्णय नहीं जारी कर देती। हमें अब इस सरकार पर भरोसा नहीं रहा। मराठी लोगों की एकता को दिल्ली के सामने प्रदर्शित करना होगा।

विजय रैली में झंडा नहीं...

और एक बात मैंने एक बार फिर कही है कि सरकार द्वारा नियुक्त नई समिति की रिपोर्ट आए या न आए, राज्य में कक्षा 1 से आगे हिंदी निश्चित रूप से नहीं पढ़ाई जाएगी। 5 तारीख की विजय रैली का विवरण जल्द ही घोषित किया जाएगा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने इस मुद्दे पर हो रही राजनीति के बारे में कहा, इस मुद्दे को राजनीति का नाम न दें।

पिता के प्रथम पुण्यतिथि पर बेटे विक्रम जाधव ने स्कूल के छात्रों को कापी पेन खाद्य पदार्थ का वितरण किया

सांगली। स्वर्गीय अप्पासाहेब यशवंत जाधव (गुरुजी) की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनके सुपुत्र विक्रम अप्पासाहेब जाधव ने अपने स्वर्गीय पिताजी जो कि एक शिक्षक थे, और अपने पिताजी का नन्हें छात्र छात्राओं के प्रति लगाव की याद में उन्होंने श्रद्धांजली के रूप में जिला परिषद स्कूल असद के सभी विद्यार्थियों को नोटबुक, पेन, खाद्य पदार्थ एवं पाठ्य सामग्री वितरित की जो कि आज के इस युग में एक आदर्श

रखा हैं। उन का यह कार्य सराहनीय हैं। इस अवसर पर माननीय विस्तार अधिकारी विलास माने सर, सिंचाई विभाग अभियंता देसाई साहब, असद ग्राम उपसरपंच नंदकुमार जाधव, असद सर्व सेवा सहकारी सोसाइटी चेयरमैन संजयकुमार शंकर जाधव, टी एम जाधव (सर), हनमंत जाधव, असद सर्व सेवा सहकारी सोसाइटी संचालक, पत्रकार संदेश जाधव, शरद जाधव, स्कूल मुख्याध्यापक रामचंद्र देशमुख, समाजिक कार्यकर्ता हणमंत शंकर जाधव उर्फ भाऊ, निवास निकम, बाळासाहेब सुभाष चोपडे सर, घोटाळे सर, सुतार मॅडम एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

निर्माणाधीन इमारत का गड्ढा बना काल, लापता हुए 3 बच्चों की डूबकर मौत

नासिक। नासिक से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसने पूरे शहर को सदमे में डाल दिया है। बिड़ी कामगार नगर क्षेत्र में रविवार से लापता 3 बच्चों के शव सोमवार सुबह एक निमार्णाधीन इमारत के गहरे गड्ढे में जमा बरसाती पानी से बरामद हुए। इस घटना ने न केवल 3 मासूम जिंदगियां निगल लीं, बल्कि प्रशासन और बिल्डरों की घोर लापरवाही को भी उजागर कर दिया है। मृत बच्चों की पहचान साई गोरक्ष गरड (14 वर्ष), साई केदारनाथ उगले (13 वर्ष) और साहिल हिलाल जाधव (14 वर्ष) के रूप में हुई है। रविवार दोपहर तीनों दोस्त खेलने के लिए घर से निकले थे। शाम तक न लौटने पर परिजनों की बेचैनी बढ़ गई। वे रातभर उन्हें ढूंढ़ते रहे। हर गली, हर कोना खंगाला लेकिन बच्चों का कोई पता नहीं चला। सोमवार सुबह वह भयावह दृश्य सामने आया जिसने सभी को स्तब्ध कर दिया। निमार्णाधीन इमारत के पास उनके कपड़े और चप्पलें पड़ी मिलीं। परिजनों की चीख निकल गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। राहत दल ने गड्ढे में भरे गंदे पानी में उतरकर तलाशी ली। कुछ देर बाद तीनों बच्चों के शव बाहर निकाले गए। उन्हें पोस्टमार्टम के लिए जिला सरकारी अस्पताल भेजा गया। घटना स्थल पर मातम का माहौल था। बच्चों के शव देखकर मां-बाप का कलेजा फट गया। महिलाएं दहाड़ें मारकर रोने लगीं। रिश्तेदारों की सिसकियां हर किसी को रुला गईं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि वहां एक इमारत के लिए गहरा गड्ढा खोदा गया था। बरसात का पानी उसमें जमा हो गया था। कोई चेतावनी बोर्ड, कोई बाड़, कोई सुरक्षा गार्ड तक तैनात नहीं था। बच्चे शायद नहाने या खेलने के लिए वहां गए होंगे। लेकिन दलदली मिट्टी में पैर फंस जाने से वे बाहर नहीं निकल सके।

पहाड़ी राज्यों में बारिश से तबाही

हिमाचल और उत्तराखंड में दरके पहाड़, शिमला में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश के सभी राज्यों में मानसून पहुंच गया है। बीते 24 घंटे से पहाड़ी राज्यों में तेज बारिश का सिलसिला जारी है। हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। इसके चलते 5 जुलाई तक प्रदेश में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 285 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। पिछले 10 दिनों में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं। अलर्ट के चलते हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं।

शिमला के भट्ठाकुफर में 5 मंजिला बिल्डिंग ढह

चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे बंद

हिमाचल प्रदेश में कालका-शिमला नेशनल हाईवे पर सोलन के सलोगड़ा के पास लैंडस्लाइड हुआ।
सोलन में अर्की-शालाघाट मार्ग पर लैंडस्लाइड हुआ है। पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा नीचे खड़ी गाड़ियों के ठीक सामने गिरा। सोलन में चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे बंद है। शिमला के भट्ठाकुफर 5 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। बीती रात इमारत खाली कर दी गई थी। फोरलेन कटिंग की वजह से नींव कमजोर हो गई थी।

चार धाम यात्रा पर लगा प्रतिबंध हटा

चार धाम यात्रा पर रविवार को 24 घंटे का प्रतिबंध लगाया गया था, जिसे अब हटा लिया गया है। यात्रा एक बार फिर शुरू हो गई है। मौसम की स्थिति के अनुसार वाहनों को रोकने या आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। संवेदित जिलों के प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है और बचाव और राहत दल सक्रिय कर दिए गए हैं।

बालासोर और मयूरभंज में बाढ़ का पानी घुसा लोगों को निकाला

नॉर्थ ओडिशा में प्रमुख नदियों के उफान पर होने के कारण राज्य सरकार ने निचले इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने बालासोर और मयूरभंज के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, क्योंकि सुवर्णरेखा, बुधबलंग, जलाका और सोनो जैसी नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बालासोर तथा मयूरभंज जिलों में बचाव एवं राहत अभियान शुरू कर दिया है। बालासोर में अब तक 35 ग्राम पंचायतें बाढ़ से प्रभावित हुई हैं। विभाग का कहना है कि सुवर्णरेखा का पानी और ज्यादा इलाकों में जा सकता है। सोमवार सुबह तक बालासोर में 1,138 लोगों को निकाला जा चुका है।

मलबे की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते कई जिलों में स्कूल बंद हैं। बागेश्वर जिले में सरयू नदी उफान पर है। रविवार को उत्तरकाशी में यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर सिलाई बैंड के पास एक होटल दह गया। हादसे में 29 मजदूर लापता थे, जिनमें से 20 को बचा लिया गया है। 2 मजदूरों की मौत हुई है। लापता 7 लोगों के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है। बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर गोचर बंदखंड के पास लैंडस्लाइड हुआ है। मलबा सड़क पर आ गया। लैंडस्लाइड के बाद बदरीनाथ जाने वाले रोड पर कई किलोमीटर का लंबा जाम लग गया है।

सलाल डैम के 12 गेट खुले

जम्मू के रियासी में निरंतर बारिश जारी

जम्मू-कश्मीर के रियासी में निरंतर बारिश जारी है। भारी बारिश के चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ गया। इसके बाद सलाल डैम के 12 गेट खोल दिए गए हैं। वहीं, रामबन में बगलिहार डैम के 3 गेट खोले गए है।

आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप

सीबीआई ने एसबीआई के पूर्व शाखा प्रबंधक पर दर्ज किया नया मामला

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने असम में भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा के पूर्व प्रबंधक के खिलाफ अवैध संपत्ति रखने का मामला दर्ज किया है। उनपर कथित रूप से 80 लाख रुपए से अधिक की अवैध संपत्ति रखने का आरोप है। एसबीआई रामकृष्णनगर शाखा, करीमगंज के पूर्व शाखा प्रबंधक पिंकू कुमार पहले से ही दूसरे मामले में जांच का सामना कर रहे हैं। उनपर जाली दस्तावेजों का उपयोग करके ऋण स्वीकृत करने से जुड़े करोड़ों रुपये के घोटाले में कथित मिलीभगत करने का आरोप है। सीबीआई की शिलांग स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने प्रारंभिक जांचकर्ता से शिकायत प्राप्त होने के बाद 27 जून को पिंकू कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का नया मामला दर्ज किया।

आरोप है कि पिंकू कुमार ने 1 अप्रैल 2019 से 27 मार्च 2025 तक की अवधि के दौरान जानबूझकर अवैध रूप से धन अर्जित करते हुए आपराधिक कदाचार किया। सीबीआई की प्राथमिकी में कहा गया है कि इस अवधि के दौरान उनके पास आय से अधिक 99.20 लाख रुपए (81.84 प्रतिशत महंगाई भत्ता) के वित्तीय संपत्ति पाई गई।

केरल में कोट्टियूर उत्सव का आयोजन

कन्नूर। केरल के कन्नूर जिले में 'वैशाख महोत्सव' या कोट्टियूर उत्सव के दौरान लोग कोट्टियूर महादेव मंदिर के पास इकट्ठा होते हैं, जिसे स्थानीय तौर पर इक्करे कोट्टियूर के नाम से जाना जाता है। कोट्टियूर उत्सव के दौरान अपनी इच्छा पूर्ति के लिए श्रद्धालु पेड़ के नीचे पत्थर जमाते हैं।

खबर संक्षेप

ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ फतवा जारी

तेहरान। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ फतवा जारी किया गया है। ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु अयातुल्ला नासर मकरम शिराजी की ओर से जारी फतवे में दोनों को खुदा का दुश्मन बताते हुए अपनी गलतियों पर पछतावा करने के लिए कहा गया है। फतवे में दुनियाभर के सभी मुसलमानों से कहा गया है कि वे दोनों का कोई सहयोग या समर्थन न करें।

पाकिस्तान में दो आतंकी हमलों में 5 की मौत

पेशावर। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवाद की दो अलग-अलग घटनाओं में दो सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय शांति समिति के तीन सदस्यों सहित कम से कम पांच लोग मारे गए। दोनों घटनाएं खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत लक्की मरवात जिले में हुईं। पहली घटना में, एक गश्ती वाहन को निशाना बनाकर सड़क के किनारे किए गए बम विस्फोट में दो सैनिकों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। शाहब खेल क्षेत्र में अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

डीआरडीओ तैयार कर रही अग्नि-5 मिसाइल के दो नए वर्जन

एडवांस बंकर-बस्टर बम की तरह करेगी काम

जमीन के 100 मीटर अंदर घुसकर तबाह कर देगा दुश्मन के ठिकाने

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत ने एडवांस बंकर-बस्टर बम विकसित करने के अपने प्रयासों में तेजी लाई है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) अग्नि-5 इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का मॉडिफाइड वर्जन डेवलप कर रहा है। अग्नि-5 के मॉडिफाइड वर्जन एक पारंपरिक हथियार होगा जो 7500 किलोग्राम के विशाल बंकर-बस्टर वारहेड ले जाने में सक्षम होगा। कंक्रीट की मजबूत परतों के नीचे बने दुश्मन के सैन्य और रणनीतिक ठिकानों पर हमला करने के लिए डिजाइन की गई यह मिसाइल विस्फोट से पहले 80 से 100 मीटर तक ड्रिल करके जमीन में नीचे घुसेगी।

- बंकर-बस्टर बमों को मिसाइल से छोड़ा जाएगा
- पाकिस्तान और चीन को टारगेट कर सकेंगे

पूरी तरह स्वदेशी तकनीक, कम खर्च आएगा

भारत द्वारा विकसित किए जा रहे स्वदेशी बम का लक्ष्य और अधिक पेनिट्रेशन का है। भारत अपने बंकर-बस्टर बमों को मिसाइल से टारगेट तक डिलीवर करने के लिए डिजाइन कर रहा है। यानी भारतीय बंकर-बस्टर बमों को लॉन्च करने में खर्च कम आएगा और इसके लिए महंगे बमवर्षक विमानों की जरूरत नहीं होगी। यह भारत को ग्लोबल वेपन मार्केट में बड़ी मजबूती प्रदान करेगा। अग्नि-5 के दो नए वर्जन डेवलप किए जा रहे हैं। एक में जमीन के ऊपर के टारगेट के लिए एयरबर्स्ट वारहेड की सुविधा होगी, जबकि दूसरा डीप-पेनिट्रेटिंग मिसाइल होगी जिसे कठोर भूमिगत ढांचे में घुसने के लिए डिजाइन किया गया है।

7.5 टन वजनी बम ले जा सकेगी

अग्नि-5 के दोनों संस्करणों में करीब 7.5 टन वजनी वारहेड कैरी करने की क्षमता हो सकती है। नए वर्जन की मारक क्षमता 2500 किलोमीटर होगी, ये दोनों हथियार विशेष रूप से पाकिस्तान और चीन जैसे विरोधी देशों के कमांड एवं कंट्रोल सेंटर्स, मिसाइल साइट्स और अन्य महत्वपूर्ण सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इन मिसाइलों की गति मैक 8 से मैक 20 (ध्वनि की गति से 8 से 20 गुना अधिक) के बीच होने की उम्मीद है, जो इन्हें हाइपरसोनिक हथियारों की श्रेणी में रखता है।

इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल 'के-6' का जल्द होगा ट्रायल, मारक क्षमता 8000 किमी

भारत अपनी के-6 हाइपरसोनिक मिसाइल का समुद्री परीक्षण करने के लिए तैयार है। इस मिसाइल को डीआरडीओ द्वारा विकसित किया जा रहा है, जिसे भारत की आगामी एस-5 क्लास की न्यूक्लियर सबमरीन (परमाणु पनडुब्बी) में तैनात किया जा सकता है। इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के-6 की स्पीड और रेंज ब्रह्मोस मिसाइल से बेहतर होगी। यह मिसाइल भारत को पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मन देशों के खिलाफ ज्यादा प्रभावी ढंग से प्रतिरोध करने में मदद करेगी। हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की एडवांस नेवल सिस्टम्स लेबोरेटरी में विकसित की जा रही के-6 मारक की सबसे उन्नत और घातक मिसाइलों में से एक है। न्यूक्लियर सबमरीन से लॉन्च की जाने वाली यह हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल भारत को दुनिया के सबसे सक्षम देशों की सूची में ला खड़ा करेगी। एस-5 क्लास की न्यूक्लियर सबमरीन जिनसे के-6 को लॉन्च किया जाएगा, मौजूदा अरिहंत क्लास की सबमरीन से बड़ी और अधिक शक्तिशाली होंगी। इन्हें भारी वारहेड और मिसाइलें कैरी करने के लिए डेवलप किया जा रहा है।

9200 किमी प्रति घंटे की स्पीड से लक्ष्य की ओर दौड़ेगी

के-6 मिसाइल हाइपरसोनिक स्पीड तक पहुंचने में सक्षम होगी। हाइपरसोनिक का मतलब मैक 7.5 (ध्वनि की गति से साढ़े सात गुना ज्यादा) या 9,200 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से होता है। इस मिसाइल का ऑपरेशनल रेंज 8,000 किलोमीटर है। हाइपरसोनिक स्पीड के कारण यह मिसाइल अधिकांश एंटी-मिसाइल डिफेंस सिस्टम्स को चकमा दे सकती है, जिससे दुश्मनों को प्रतिक्रिया करने का समय ही नहीं मिलता। इसमें मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक है। इससे एक ही मिसाइल कई टारगेट पर सटीकता से हमला कर सकेगी, जिससे अटैक और डिफेंस दोनों ही तरह के अभियानों में इसकी प्रभावशीलता बढ़ेगी। के-6 मिसाइल की लंबाई 12 मीटर से अधिक और व्यास 2 मीटर से अधिक होगा।

भारत-अमेरिका के बीच बनी सहमति

9 जुलाई से पहले हो सकता है 'व्यापार समझौते' का ऐलान

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की सभी शर्तों पर सहमति बन गई है। बताया जा रहा है कि इस समझौते का औपचारिक एलान ट्रंप की समयसीमा से एक दिन पहले आठ जुलाई को हो सकता है। इस समझौते के लिए भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक दल वॉशिंगटन में है। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ को निलंबित किए जाने की समयसीमा नौ जुलाई को समाप्त हो रही है। इसे लेकर दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ी हुई है। शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि नौ जुलाई के बाद वैश्विक टैरिफ से राहत नहीं मिलेगी। इसके बाद वह अधिकांश देशों पर टैरिफ पर 90 दिवसीय रोक को बढ़ाने की योजना नहीं बना रहे हैं।

ट्रंप ने लगाया था 26 फीसदी टैरिफ

अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामानों पर 26 फीसदी अतिरिक्त कर (टैरिफ) लगाने का ऐलान किया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। हालांकि, 10 फीसदी का मूल टैक्स अभी भी लागू है। भारत चाहता है कि प्रस्तावित 26 फीसदी शुल्क वापस लिया जाए और स्टील व ऑटो पार्ट्स पर पहले से लगे अमेरिकी शुल्कों में छूट मिले। मगर अमेरिका पहले भारत से सोयाबीन, मक्का, कार और शराब पर आयात शुल्क घटाने और गैर-शुल्क बाधाओं को आसान करने की प्रतिबद्धता चाहता है।

निष्पक्ष और न्यायसंगत होगा समझौता

समझौते के लिए बातचीत का मकसद दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। 10 जून को वार्ता समाप्त होने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत और अमेरिका एक निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौते पर बातचीत करने की प्रक्रिया में हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप फरवरी 2025 में मिले, हमारे दोनों नेताओं ने एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते में प्रवेश करने का फैसला किया है।

बिहार चुनाव : 2003 की वोटर लिस्ट अपनी वेबसाइट पर किया अपलोड

4.96 करोड़ वोटरों को किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं, चुनाव आयोग की सफाई

मुंबई हलचल / पटना

भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के 4.96 करोड़ वोटरों को अपने माता-पिता से संबंधित किसी अन्य दस्तावेज को दिखाने की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग ने 2003 की मतदाता सूची यानी वोटर लिस्ट को अपने वेबसाइट https://voters.eci.gov.in पर अपलोड कर दिया है, जिसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं का विवरण शामिल है। चुनाव आयोग की तरफ से यह भी कहा गया है कि 24 जून, 2025 की ईसीआई निर्देशिका के पैरा 5 में स्पष्ट किया गया था कि सीईओ/डीईओ/ईआरओ को 01 जनवरी, 2003 की योग्यता तिथि वाली वोटर लिस्ट सभी बीएलओ को हार्ड कॉपी के साथ उनकी वेबसाइट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध करानी होंगी, ताकि कोई भी व्यक्ति इन्हें डाउनलोड कर सके और अपने नामांकन फॉर्म के साथ दस्तावेजी प्रमाण के रूप में प्रस्तुत कर सके।

इस साल के आखिर में होने हैं राज्य में विधानसभा चुनाव

करीब 60% वोटर दस्तावेज प्रस्तुत करने से होंगे मुक्त

आयोग का मानना है कि 2003 की वोटर लिस्ट की उपलब्धता से विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया में अत्यधिक सुविधा होगी, क्योंकि अब लगभग 60% वोटर किसी भी दस्तावेज को प्रस्तुत करने से मुक्त हो जाएंगे। ये वही 2003 की सूची से अपना विवरण जांचकर फॉर्म भर सकते हैं। उन्हें केवल अपनी जानकारी 2003 के वोटर लिस्ट में सत्यापित करनी होगी और नामांकन फॉर्म भरकर जमा करना होगा।

मतदाता और बीएलओ दोनों ही इन जानकारियों को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

बताई समीक्षा की जरूरत

बिहार में बिस चुनाव से पहले मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा को लेकर विपक्षी दलों की आपत्ति के बीच आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची एक गतिशील सूची है, जिसमें समय-समय पर बदलाव होते रहते हैं, इसलिए इसकी नियमित समीक्षा अनिवार्य है। आयोग ने बताया कि मतदाता सूची में निरंतर बदलाव होते हैं क्योंकि कई मतदाताओं की मृत्यु हो जाती है। कुछ लोग एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित हो जाते हैं और नए युवा मतदाता 18 साल पूरे करके वोटर बनने के योग्य हो जाते हैं। इन्हीं कारणों से मतदाता सूची को समय-समय पर अद्यतन करना जरूरी होता है, ताकि कोई अपात्र व्यक्ति उसमें दर्ज न हो और कोई पात्र नागरिक छूटे नहीं।

यह है विपक्ष की आपत्ति और आरोप

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस तरह की गहन समीक्षा से राज्य तंत्र का दुरुपयोग कर जानबूझकर वोटरों को बाहर किया जा सकता है। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया नियमों के अनुसार पारदर्शिता से होती है और इसका उद्देश्य किसी को बाहर करना नहीं, बल्कि सही और अद्यतन सूची बनाना है।

पारिवारिक संबंधों में भी सहूलियत

यदि कोई व्यक्ति 2003 की सूची में दर्ज नहीं है, पर उसके माता-पिता उस सूची में हैं, तो वह व्यक्ति अपने माता या पिता के नाम का 2003 की मतदाता सूची का अंश दिखाकर आवेदन कर सकता है। ऐसे में माता-पिता के लिए कोई अलग दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी, सिर्फ उस व्यक्ति को अपने दस्तावेज देने होंगे। चुनाव आयोग ने दोहराया कि प्रत्येक चुनाव से पहले मतदाता सूची का पुनरीक्षण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और वोटर रजिस्ट्रेशन नियम 1960 के तहत अनिवार्य है। आयोग पिछले 75 वर्षों से नियमित रूप से वार्षिक संशोधन, जिसमें गहन और संक्षिप्त समीक्षा शामिल है, करता आ रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

- भारतीय दल बातचीत को लेकर वाशिंगटन में है
- दोनों पक्ष समझौते को नौ जुलाई से पहले देंगे अंतिम रूप

दोनों देशों के बीच बातचीत महत्वपूर्ण चरण में

भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में कृषि मुद्दों पर अपना रुख किया कड़ा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत ने अमेरिकी के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत में कृषि से संबंधित मुद्दों पर अपना रुख कड़ा किया है। इसके साथ, दोनों देशों के बीच बातचीत महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गयी है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में भारतीय दल अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत को लेकर वाशिंगटन में है।

बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय दल अभी वहां कुछ और समय रुक सकता है। दोनों पक्ष समझौते को नौ जुलाई से पहले अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। ऐसा नहीं होने पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क अमल में आ जाएगा। शुल्क को अप्रैल में नौ जुलाई तक के लिए टाल दिया गया था। अधिकारी ने कहा, ''यदि प्रस्तावित व्यापार वार्ता विफल हो जाती है, तो 26 प्रतिशत शुल्क फिर से लागू हो जाएगा।''

पहले ही यात्रा को तीन दिन बढ़ाया गया

भारतीय अधिकारियों की अमेरिकी यात्रा को पहले ही तीन दिन बढ़ाकर 30 जून तक कर दिया गया है। पहले प्रतिनिधिमंडल को दो दिन रुकना था। वार्ता 26 जून को शुरू हुई थी। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू निर्यातकों और उद्योग को सूचित किया है कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए बातचीत जारी है। इसके और भी चरण होंगे।

ऐसा नहीं होने पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क अमल में आ जाएगा

अमेरिका का 10 प्रतिशत मूल शुल्क अभी भी लागू

उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने दो अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क शुल्क लगाया, लेकिन इसे 90 दिन के लिए टाल दिया गया। हालांकि, अमेरिका का 10 प्रतिशत मूल शुल्क अभी भी लागू है। भारत अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क से पूरी छूट की मांग कर रहा है। अमेरिका कृषि और डेयरी दोनों क्षेत्रों में शुल्क छूट की मांग कर रहा है।

अमेरिका इन वस्तुओं पर शुल्क रियायत चाहता है : अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, मोटर वाहन विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहन, शराब, पेट्रोरसायन उत्पादों, डेयरी तथा कृषि उत्पादों जैसे सेब, बादाम तथा आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर शुल्क रियायत चाहता है। वहीं भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते में कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए शुल्क छूट की मांग कर रहा है।

भारत ने अब तक डेयरी क्षेत्र को नहीं खोला

भारत के लिए इन क्षेत्रों में अमेरिका को शुल्क छूट देना कठिन और चुनौतीपूर्ण है। इसका कारण यह है कि भारतीय किसान आजीविका के लिए खेती में लगे हैं और उनके जोत का आकार काफी छोटा है। इसलिए, ये क्षेत्र राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील हैं। भारत ने अबतक हस्ताक्षरित किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में डेयरी क्षेत्र को नहीं खोला है।

भारत का वस्तु निर्यात 17.25 अरब डॉलर हुआ

वार्ता के लिए अमेरिकी दल पांच से 11 जून तक भारत आया था। आने वाले दिनों में वार्ता ऑनलाइन और भौतिक रूप दोनों तरह से जारी रहेगी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-मई अवधि में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 21.78 प्रतिशत बढ़कर 17.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 25.8 प्रतिशत बढ़कर 8.87 अरब डॉलर रहा।

अंतरिम व्यापार समझौते के लिए प्रयास

दोनों देश इस साल सितंबर-अक्टूबर तक प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए बातचीत पूरी करने की भी कोशिश कर रहे हैं। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 191 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना से अधिक करके 2030 तक 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है। वे प्रथम चरण से पहले, अंतरिम व्यापार समझौते के लिए प्रयास कर रहे हैं।

शादीशुदा साहिबा बानो ने खुशी तिवारी बनकर जबलपुर के युवक किया शादी का नाटक; संपत्ति की वारिस बनने के बाद कर दी हत्या

गोरखपुर। गोरखपुर की साहिबा बानो सोशल मीडिया पर जान-पहचान के बाद पहले देवरिया के कौशल कुमार से प्रेम विवाह किया। इस बीच उसे सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के जरिए मध्य प्रदेश के जबलपुर के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली जिसकी शादी नहीं हो रही थी, इस वीडियो में उसकी 18 एकड़ जमीन का जिक्र भी था। संपत्ति के लालच में साहिबा ने उसे जाल में फंसाने के लिए अपना नाम बदल कर खुशी तिवारी कर लिया। अपने पति कौशल को अपना भाई बनाकर उसे जबलपुर भेजा। जबलपुर का इंद्रकुमार तिवारी शादी के झांसे में आ गया। इसके बाद इंद्रकुमार 3 जून को गोरखपुर आया जहां खुशी बन चुकी साहिबा ने उससे शादी रचाने का नाटक किया। संपत्ति का वारिस बनने का हलफनामा बनवाने के बाद उसे नशीली गोलियां देकर बेहोश कर दिया। इसके बाद कत्ल कर साहिबा बानों ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर लाश को कुशीनगर के हाटा क्षेत्र में फेंक दिया। हाटा कोतवाली के सुकरौली नगर पंचायत के बुद्धनगर स्थित मझना नाला के किनारे पिछले

6 जून दिन शुक्रवार को दोपहर तीन बजे एक 35 वर्षीय युवक का शव मझना नाले के किनारे झाड़ियों में फेंका मिला था। युवक के गर्दन पर दो चाकू घोंपा गया था। मौके पर दोनों चाकू गर्दन में धसें हुए मौजूद थे। पुलिस ने युवक के शव की पहचान कराने का काफी प्रयास किया गया। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने युवक के शव का फोटो सेंट्रल पोर्टल पर अपलोड किया था। उधर, इन्द्र कुमार तिवारी पुत्र स्व. रामदयाल तिवारी निवासी पड़वार (खितौला) थाना मझौली जनपद जबलपुर, मध्यप्रदेश की गुमशुदगी संबंधित थाने में दर्ज थी। इसके कारण सेंट्रल पोर्टल से उसकी पहचान हुई। हाटा कोतवाली, स्वाट टीम व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने हत्या की घटना का खुलासा करते हुए घटना में शामिल एक महिला अभियुक्ता समेत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कुशीनगर के एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि पूछताछ के दौरान अभियुक्ता साहिबा बानो उर्फ खुशी तिवारी ने बताया कि उसका असली नाम साहिबा बानो पुत्री अनवर अली है। उसने यह घटना को अंजाम देने के लिए अपना धर्म व पहचान बदलकर खुशी तिवारी नाम का फर्जी आधार कार्ड भी बनवाया था। उसके साथ घटना में दो अन्य लोग कौशल कुमार व समसुद्दीन अंसारी शामिल रहे। कौशल से सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ दिन पहले सम्पर्क हुआ था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अगर आप भी है इन 5 प्रॉब्लम के शिकार तो कभी न लें बेल का जूस

बेल के जूस में कैल्शियम, फॉस्फोरस, फाइबर, प्रोटीन, आयरन आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं इसलिए इसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इससे शरीर में पूरा दिन ठंडक और एनर्जी बनी रहती है। इसके फायदे तो सभी जानते ही हैं लेकिन इसका सेवन कुछ लोगों के लिए हानिकारक भी हो सकता है। आज हम आपको बताएंगे किन-किन लोगों को नुकसान पहुंचाता है बेल का जूस।

1. डायबिटीज रोगियों के लिए

बेल का फल ज्यादा मीठा होने के कारण डायबिटीज के रोगियों के लिए हानिकारक होता है और बाजार से मिलने वाले बेल के जूस में तो काफी मात्रा में चीनी होती है। इसलिए डायबिटीज रोगियों को इसका सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

2. गर्भवती महिलाओं के लिए

गर्भवती महिलाओं को इसका जूस पीना हानिकारक है क्योंकि इससे गर्भपात होने का खतरा होता है। इसके अलावा स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए भी यह नुकसानदेह है इससे उनके दूध कम बनता है।

3. सर्जरी के दौरान हानिकारक

जिन लोगों की सर्जरी होनी हो या हो फिर चुकी हो, उन्हें कुछ सप्ताह इसका सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसके सेवन से ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। जिससे रोगी को नुकसान हो सकता है।

4. थायरॉइड के रोगियों को

थायरॉइड की मेडिसिन लेने वाले रोगियों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर कोई थायरॉइड की दवा ले रहा है तो उसे इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

5. कब्ज के रोगी को

जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है उन्हें बेल का जूस नही लेना चाहिए। आम लोगों को भी एक बार में एक गिलास पीना चाहिए। इसको ज्यादा मात्रा में पीने से पेट में दर्द, सूजन और पेट फूलने की समस्या भी हो सकती है।

दूध के साथ खाएंगे ये चीजें तो आएगी दिक्कतें

दूध कैल्शियम का सबसे अच्छा स्त्रोत है। छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी के लिए दूध पीना लाभकारी है। इससे हड्डियां मजबूत और शरीर को पोषण भी मिलता है लेकिन कुछ लोग दूध के साथ किसी भी चीज का सेवन कर लेते हैं, जिससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। जिसका जानकारी न होने के कारण हम अपनी ही हानि पहुंचाते हैं। आइए जाने दूध के साथ किन चीजों को खाने से परहेज करना चाहिए।

1. मछली

मछली और दूध दोनो ही सेहत के लिए बहुत अच्छे हैं लेकिन इसका सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। इससे स्किन इंफैक्शन हो सकती है। मछली और दूध का एक साथ सेवन करने से स्किन पर सफेद दाग आने शुरू हो जाते हैं, जिसे फुलवहरी कहते हैं। अगली बार मछली खाने के बाद दूध पीने का मन है तो इसका किसी एक चीज का सेवन न करें।

2. प्याज

प्याज का सलाद खा रहे हैं तो इसके साथ दूध पीने से भी सेहत को नुकसान हो सकता है। इससे खुजली,दाद,एलर्जी आदि की समस्या हो सकता है। प्याज खाने के 3-4 घंटे बाद दूध न पीएं।

3. उड़द दाल

उड़द दाल खाने में बहुत टेस्टी होती है लेकिन इसके साथ दूध पीने से सेहत संबंधी कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं।

4. नींबू

दूध और नींबू का एक साथ सेवन भी बहुत सी परेशानियों का कारण बन सकता है। नींबू पानी पीने के एक दम बाद दूध न पीएं।

5. दही

दही दूध से भी ज्यादा गुणकारी होता है लेकिन दही और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहे। दही खाने के बाद दूध पीते हैं तो इससे पेट में एसिड बनना शुरू हो जाता है।

6. नमक और करेला

करेले की सब्जी खा रहे हैं तो इसके साथ भी दूध न पीएं। इससे सेहत संबंधी बहुत सी परेशानियां आ सकती है। इसके अलावा नमकीन चीज के साथ भी दूध का सेवन नहीं करना चाहिए।

तेज धूप में भी स्किन रहेंगी खिली-खिली

गर्मियों में तेज धूप के कारण स्किन प्रॉब्लम होने लगती है। सूर्य की गर्मी और वायु प्रदूषण कारण स्किन ड्राई और काली पड़ जाती है। लड़कियां इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का सहारा लेती है। जिसका बाद में फायदा कम और नुकसान ज्यादा झेलना पड़ता है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान है और खोई हुई खूबसरती, रंगत को दोबारा लाना चाहते हैं तो इन घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करें। जिसका कोई आपकी स्किन पर साइड इफैक्ट भी नहीं होगा।

➤ तेज धूप के कारण हुए नुकसान से राहत पाने के लिए शाम को कुछ समय चेहरे पर बर्फ के टुकड़े रखें।

➤ झुलसी स्किन ठीक करने के लिए चेहरे पर टमाटर पेस्ट लगाएं।

➤ सनबर्न के असर खत्म करने के लिए गुलाब जल में तरबूज का रस मिलाएं और इसे 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं।

➤ चेहरे का निखार बरकरार रखने के लिए 1 चम्मच शहद में 2 चम्मच नींबू का रस मिलाएं और फिर इसे 30 मिनट लगा रहने दें। इसे बाद में ताजे पानी से धो लें।

➤ ऑयली स्किन से झुलसी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए खीरे को कद्दूकस करके उसमें दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे 20 मिनट चेहरे पर लगाएं और बाद में ताजे पानी से धोएं।

➤ झुलसी स्किन को कोमल करने और निखारने के लिए इस पर कॉटनवूल के साथ ठंड़ा दूध लगाएं।

➤ इसके अलावा मुट्ठी भर तिल पीस लें और इसे आधे कप पानी में 2 घंटे के लिए रख दें। अब इसे छान लें और इसके पानी से चेहरे को साफ करें।

दिन में मेकअप करने के बाद रात को ऐसे करें स्किन केयर

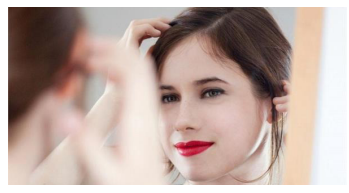

दिन हो या रात लड़कियां हर समय अपनी ब्यूटी को लेकर चिंता में रहती हैं। फेस केयर की बात हो तो बिना मेकअप के लड़कियां घर से बाहर भी नहीं जाती लेकिन सारा दिन हैवी मेकअप से कई तरह की स्किन प्रॉब्लम भी होनी शुरू हो जाती है। इसके लिए जरूरी है कि रात से समय चेहरे को अच्छी तरह से साफ करके सोएं। बहुत कम लोग जानते हैं कि दिन की बजाय रात को स्किन की केयर करने से ज्यादा फायदा मिलता है। आइए जानें रात को सोने से पहले चेहरे पर क्या लगाना चाहिए।

1. टोनर से करें फेस क्लीन

मेकअप साफ करने के बाद भी स्किन पर धूल-मिट्टी चिपकी रहती है। इसके लिए चेहरे को टोनर से साफ कर लें। टोनर से त्वचा का पीएच स्तर बैलेंस रहता है जो बैक्टीरिया से बचाव रखने के साथ स्किन को भी पूरी तरह से क्लीन करने का काम करता है। इसके साथ ही मेकअप के कारण बंद पोर्स भी खुल जाते हैं। कैमिक्ल युक्त टोनर इस्तेमाल करने की बजाय खीरे का टोनर बना कर भी इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

2. आई क्रीम लगाएं

सोने से पहले आंखों के आसपास आई क्रीम लगाना न भूलें। इससे आंखों के आसपास झुर्रियां भी कम होनी शुरू हो जाती हैं लेकिन इसे लगाने से पहले यह बात जांच लें कि यह क्रीन बढ़िया क्वालिटी की हो।

3. पैरों की भी करें केयर

सारा दिन घर से बाहर रहने के बाद चेहरे ही नहीं बल्कि पैरों को भी खास केयर की जरूरत पड़ती है। रात को सोने से पहले पैरों को धो कर इस पर पेट्रोलियम जेली लगाएं। सुबह आपके पैरे कोमल और साफ हो जाएंगे।

4. दांत भी करें साफ

खूबसूरत दांत भी ब्यूटी का हिस्सा है। इससे पर्सनेलिटी पर भी खास असर दिखता है। सारा दिन हम कुछ न कुछ खाते रहते हैं, जिससे रात तक दांतों में बदबू आनी शुरू हो जाती है। इसके लिए जरूरी है कि रात को सोने से पहले दांतों को जरूर साफ करें। नमक में सरसों का तेल मिला कर मंजन करने से भी मुंह के कीटाणु खत्म हो जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

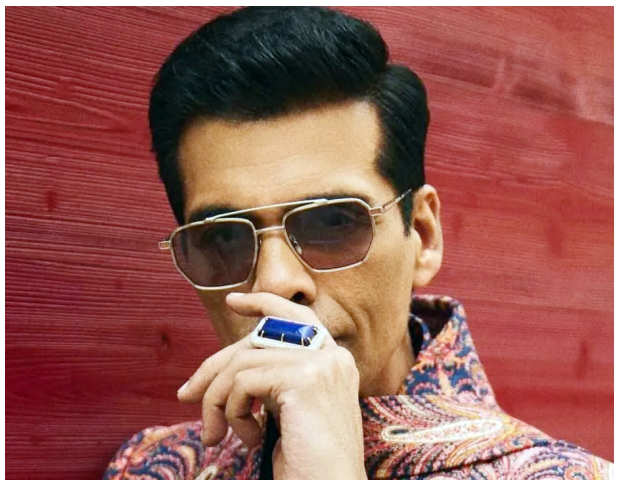

व्हाट्सएप चैट लीक हुई तो मुंबई छोड़नी पड़ेगी !

बॉलीवुड के सबसे चर्चित और ग्लैमरस फिल्ममेकर करण जौहर एक बार फिर अपने मजेदार और बेबाक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। हमेशा अपनी फिल्मों, पार्टीज और दोस्तियों को लेकर चर्चा में रहने वाले करण ने इस बार अपने सीक्रेट गॉसिप ग्रुप का जिक्र करके तहलका मचा दिया है। दरअसल, बरखा दत्त के शो मोजो स्टोरी में बातचीत के दौरान करण जौहर ने यह राज खोला कि उनका इंडस्ट्री के कुछ करीबी सितारों के साथ एक व्हाट्सएप ग्रुप है, जहां हर रोज जमकर गॉसिप होती है। इसके बाद शो के दौरान एक दर्शक ने करण से पूछा कि क्या उन्होंने कभी इस ग्रुप को लेकर फिल्म या किताब बनाने का सोचा है, तो करण पहले तो हंस पड़े, फिर बोले, अगर किसी को भी उस ग्रुप की चैट्स मिल गईं, तो हमें लंदन भागना पड़ेगा। मुंबई में तो रहना नामुमकिन हो जाएगा! करण जौहर ने साफ किया कि इस व्हाट्सएप ग्रुप में सिर्फ हल्की-फुल्की बातें ही नहीं, बल्कि फिल्मों, फैशन और समसामयिक मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा होती है। उन्होंने कहा, हम सब इस ग्रुप में अपने-अपने अंदाज में आलोचक हैं। कोई भी मुद्दा हो, चाहे वो किसी की ड्रेसिंग हो या फिल्म का ट्रेलर हम बहुत ईमानदारी और बिना फिल्टर के अपनी राय रखते हैं। करण का यह भी कहना है कि इस ग्रुप की खास बात यह है कि सभी सेलेब्स यहां खुलकर बोलते हैं, लेकिन पब्लिक में कभी इन बातों का जिक्र नहीं किया जाता। हम फिल्म क्रिटिक्स भी हैं और फैशन पुलिस भी। जो बातें हम वहां करते हैं, वो बाहर आ गईं, तो हंगामा मच जाएगा, करण ने हंसते हुए कहा।

सोनाक्षी सिन्हा की इस आदत से परेशान हुए जहीर इकबाल

बॉलीवुड की दबंग गर्ल सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल इन दिनों अपनी शादी और मजेदार केमिस्ट्री को लेकर खूब चर्चा में हैं। लंबे वक्त तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी के बंधन में बंधा यह कपल अब अपनी जिंदगी के नए फेज को एंजॉय कर रहा है। लेकिन अब एक ऐसा खुलासा सामने आया है जिसे सुनकर फैंस भी मुस्कुरा उठेंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सोनाक्षी और जहीर ने अपनी शादीशुदा जिंदगी से जुड़े कई दिलचस्प किस्से शेयर किए। इंटरव्यू में जब जहीर इकबाल से पूछा गया कि शादी के बाद सोनाक्षी की कौन सी आदत उन्हें परेशान करने लगी है, तो उन्होंने झट से जवाब दिया कि उनकी पंक्चुअलिटी की आदत। जहीर ने हंसते हुए कहा, सोनाक्षी टाइम को लेकर इतनी ज्यादा पक्की हैं कि हर जगह तय वक्त से बहुत पहले पहुंच जाती हैं। चाहे मेरी बर्थडे पार्टी हो या किसी दोस्त की गैदरिंग, अगर टाइम 10 बजे का है तो ये 9 बजे निकलने पर अड़ी रहती हैं। उन्होंने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया, एक बार पार्टी का टाइम 10 बजे का था और हम 8:55 बजे पहुंच गए। वहां कोई भी नहीं था और हम अकेले बैठे रहे। तब सोनाक्षी मुझसे पूछ रही थीं कि ह्यलोग कब तक आएंगे? मैं बस सिर पकड़कर बैठ गया।

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. - 2014

G.D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY) NAAC Accredited with B+ Grade, ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COLLEGE
College Code : 527
Junior College
F.Y.J.C/ S.Y.J.C (Science & Commerce)
Degree College
B. Com • B.A.F • B.Sc.I.T • B.M.S • B.Sc
ADMISSIONS OPEN
Contact Number : 9326346900 / 9326335467
Upper Govind Nagar, Malad (East)